

**HINDI SECOND ADDITIONAL LANGUAGE: PAPER I**

Time: 2 hours

100 marks

---

**PLEASE READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY**

1. This question paper consists of 9 pages. Please check that your question paper is complete.
  2. Read the instructions to each question carefully.
  3. Answer all sections.
  4. All answers must be written in the Hindi script.
  5. You may use the last 4 pages of the Answer Book for rough work. Cross out all rough work before handing in your Answer Book.
  6. It is in your own interest to write legibly and to present your work neatly.
-

## भाग क

### प्रश्न एक

निचे दिए गए पाठ को ध्यान से पढ़ें और निर्धारित प्रश्नों के उत्तर دیجिए:

### कबीर

कहते हैं - नीरू नाम का एक जुलाहा बनारस के पास रहता था । उसकी पत्नी का नाम नीमा था । उनके कोई संतान न थी । वे एक बच्चे के लिए प्रतिदिन ईश्वर से प्रार्थना किया करते थे ।

एक दिन नीरू कहीं जा रहा था । रासते में एक तालाब पड़ा । तालाब को देखकर नीरू ने उसकेशीतल जल से मुँह-हाथ धोया और कुछ देर विश्राम करने की इच्छा से वहीं किनारे पर लेट गया । कुछ ही क्षण बीते होंगे कि नीरू को पास ही कहीं एक छोटे बच्चे के रोने की आवाज़ सुनाई दी । नीरू झट उठ बैठा और उसने दौड़कर बच्चे को उठा लिया नीमा ने इस बालक को देखा तो फूली न समाई । उसने उसे हृदय से लगा लिया और मन ही मन ईश्वर को धन्यवाद दिया ।

यह बात आज से लगभग पाँच सौ वर्ष पहले की है । इस बालक का नाम रखा गया- कबीर । बालक कबीर नीमा और नीरू की गोद में पलने लगा । बड़े होने पर कबीर ने गुरु रामानंद का नाम सुना जो उस समय के बहुत ही विद्वान पंडित माने जाते थे । कबीर ने इनसे दीक्षा लेने का निश्चय किया । वे गुरु रामानंद के आश्रम में पहुँचे । वे आक्षम के समीप ही ठहर गए और गुरु की दिनचर्या का अध्ययन करने लगे ।

एक दिन की बात है । प्रातः चार बजे का समय था । गुरु रामानंद आश्रम से निकलकर घाट पर स्नान करने गए । कबीर घाट की सीढ़ियों पर ही बैठे थे । वे झट से उनके पाँवों में लिपट गए और उनसे दीक्षा देने की प्रार्थना करने लगे । पहले थो रामानंद जी तैयार नहीं हुए । फिर कबीर के बहुत कहने पर उन्हें अपना शिष्य बना लिया ।

गुरु से ग्यान प्राप्त कर कबीर प्रेमभाव से लोगों तक अपनी बात पहुँचाने लगे । वे कहते - ईश्वर एक है । वह सभी से प्रेम करता है । वह मंदिर-मस्जिद में नहीं रहता, वह तो हमारे हृदय में रहता है । हिंदू-मुसलमान सब उसी की संतान हैं । इसलिए वे सब एक हैं । सारी दुनिया के इंसान एक हैं ।

कबीर के उपदेश दोहे और साखियों में मिलते हैं । ये दोहे और साखियाँ आज घर-घर लोगों की जुबान पर हैं । इन के दोहों के कुछ उदाहरण हैं

कल करै सो आज कर, आज करै सो अब ।  
 पल में परलै होयगी, बहुरी करैगा कब ॥  
 बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर ।  
 पंथी को छाया नहीं, फल लागे अति दूर ॥

काफ़ी वृद्ध होने पर कबीर का देहांत मगहर नामक स्थान पर हुआ । उनकी मृत्यु के पश्चात हिंदू-मुसलमान आपस में लड़ने लगे । हिंदू कहते - कबीर हिंदू थे इसलिए उनके थे और मुसलमान कहते - कबीर मुसलमान थे इसलिए उनके थे ।

हिंदू उनके शव को अपनी रीति-रिवाज़ के अनुसार जलाना चाहते थे और मुसलमान उन्हें दफ़नाना चाहते थे । कहते हैं कि जब उनके मृत शरीर पर से चादर हटाई गई तो उन्हें कुछ फूल ही मिले । इन फूलों को हिंदू और मुसलमान दोनों ने बाँट लिया ।

वास्तव में कबीर ने हिंदू थे, न मुसलमान । वे थे एक सच्चे इंसान ।

[लूदरा, स. वर्मा, स.(१९८८) बाल-भारती. भारत]

- १.१ किसने कबीर को पाया ? (१)
- १.२ बच्चा कबीर कहाँ पड़ा था ? (१)
- १.३ नीरू की पत्नी कौन थी ? (१)
- १.४ नीरू कहाँ रहता था ? (१)
- १.५ नीरू और नीमा क्यों प्रार्थना कीं ? (२)
- १.६ गुरु रामानंद का वर्णन कीजिए । (२)
- १.७ अपनी शब्दों में समझाइए । " फूली न समाई " (२)
- १.८ कबीर और गुरु रामानंद की पहली मुलाकात कहाँ थी ? (२)

१.९ कबीर लोगों को क्या उपदेश देते थे । (४)

१.१० कबीर की मृत्यु होने पर क्या हुआ ? (२)

१.११ कबीर कैसे व्यक्ति थे ? (२)

[२०]

**प्रश्न दो**

निम्नलिखित सवालों के उत्तर दिजिए ।

२.१ कोष्ठक में से उचित उत्तर चुनकर लिखिए ।

२.१.१ नीमा, नीरू ... ( की , के , का ) पत्नी है । (२)

२.१.२ कुत्ता दरवाजे ... ( से , का , पर ) बैठा हैं । (२)

२.१.३ गुरु जी आश्रम ... ( का , में , से ) रहते हैं ॥ (२)

२.२ इन वाक्यों को क्रम से लिखिए ।

२.२.१ बहन का सीता उसकी है नाम । (२)

२.२.२ नल पानी मिलता है से ॥ (२)

२.३ इन शब्दों को पुलिंग शब्द लिखिए ।

२.३.१ औरत (२)

२.३.२ भिखारिन। (२)

२.४ इन शब्दों के बहुवचन में लिखिए ।

२.४.१ सीढ़ी (२)

२.४.२ बच्चा। (२)

२.५ वाक्यों का सही काल लिखिए । कोष्ठक में से उत्तर चुनिये ।  
(भूतकाल , वर्तमान काल , भविष्यत काल )

२.५.१ सीमा ने रोटी खायी । (२)

२.५.२ माता जी घर में है ॥ (२)

२.५.३ मिहीर दुकान जाएगा ॥ (२)

२.६ शब्द समूह के लिए एक शब्द लिखिए ।

२.६.१ जो अलमारी बनाते हैं ॥ (२)

२.६.२ जो पाठशाला में सिखाती हैं ॥ (२)

२.७ चित्र वर्णन : निम्नलिखित चित्र को देखकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए



- २.७.१ चित्र में कौन कौन है ? (२)
- २.७.२ चित्र के अनुसार ये लोग कहाँ है ? (१)
- २.७.३ माँ के हाथों में क्या है ? (१)
- २.७.४ बच्चे कैसे लगते हैं ? (२)
- २.७.५ माँ बच्चे से क्या चाहती है ? (२)
- २.७.६ यह कौन सा मौसम है ? (१)
- २.७.७ माँ कपड़े से क्या करना चाहती है ? (२)
- २.७.८ सही उत्तर कोष्ठकों से चुनकर लिखिए ।  
माताजी ( अलमारी , सूटकेस ) से कपड़े निकालती हैं । (१)

[४०]

**भाग ख****साहित्य****प्रश्न ३ : कविता****३.१ चित्रकार और चित्र**

३.१.१ चित्रकार कहाँ और कैसे जगह पर चित्र बना रहा था ? (२)

३.१.२ अपनी बातों में समझाए:

" तुरंत उड़ गए होश " (२)

**३.२ बापू के प्रति**

इन श्लोकों को अपनी शब्दों में समझाईए ।

तू चिर मौनव्रती हुआ, पर  
जीवन अभ भी बोल रहा,  
तरा चरण - चित्र हम सबका  
परित्रण - पथ खोल रहा ॥ (४)

**३.३ हमारा प्यारा भारतवर्ष**

इन पंक्तियों को अपनी शब्दों में समझाईए ।

हिमालय के आँगन में उसे प्रथम किरणों का दे उपहार ।  
उषा ने हँस अभिनन्दन किया, औरण पहनाया हीरक-झार । (५)

**३.४ राम जनम**

इन पंक्तियों को अपनी शब्दों में समझाईए ।

ब्रह्मांड निकाया निर्मित माया रोम रोम प्रति बेद कहै ।  
मम उर सो बांसी यह उपहासी सुनत धीर मति थिर न रहै ॥  
उपजा जब ग्याना प्रभु मुसुकाना चरित बहुत बिधि कीन्ह चहै ।  
कहि कथा सुहाई मातु बुझाई जेहि प्रकार सुत प्रेम लहै ॥ (५)



**प्रश्न ४ : कहानी****४.१ इच्छा शक्ति**

४.१.१ धीरजसिंह क्या काम करता था ? (२)

४.१.२ धीरजसिंह ने क्यों पूड़े नहीं खरीदे ? (२)

४.१.३ जब धीरजसिंह भिक्षु को देखा, तो वह अपनी पत्नी से क्या कहा । (२)

४.१.४ धीरजसिंह ने भिक्षु से क्या सबक सिखा ? (४)

**४.२ शिवाजी**

४.२.१ बादशाह शाहजी कौन कौन नगरों पर शासन किए थे ? (२)

४.२.२ शिवाजी के बचपन का वर्णन किजीए । (४)

**४.३ अर्गल की वीर रानी**

४.३.१ रानी की चरित्र का वर्णन किजीए । (३)

४.३.२ राजा के जीत सुनकर रानी ने क्या किया ? (३)

**[४०]**

**कुल अंख : १००**